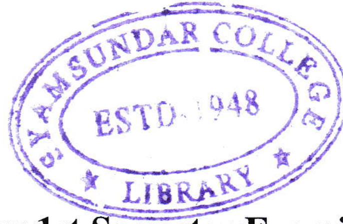


3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2024 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS1011 (MAJOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य *दशप्रश्नानाम्* उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधीयताम्। 2×10=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃতে দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত *তিনটি* করে প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই লিখতে হবে।

विभाग:-'क'

(a) ''रक्षोवधान्तो न च मे प्रयासो व्यर्थ:'' — कस्य उक्तिरियम्? कथं तस्य प्रयासो न व्यर्थ:?

(b) ''स शुश्रुवान्'' — अत्र 'स:' इति पदेन क: बोध्य:? स: किं शुश्रुवान्?

(c) ''ददौ प्रवेशं जननी न तावत्'' — अत्र जननीपदेन का बोध्या? तस्या ईदृशस्य आचरणस्य कारणं किम्?

(d) संस्कृतप्रतिशब्द: लिख्यताम् — प्रजावती, सन्धा।

(e) प्रकृति-प्रत्ययौ निरूप्येताम् — अपवाद:, वगाह्य।

विभाग:-'ख'

(a) ''न विव्यथे तस्य मन:'' — कमुद्दिश्य इयम् उक्ति:? तस्य मन: कथं न व्यथितोऽभूत्?

(b) ''स सन्ततं दर्शयते गतस्मय:'' — अत्र 'गतस्मय:' इति पदेन क: उद्दिष्ट:? पदस्यास्य किं तात्पर्यम्?

(c) दुर्योधनस्य धनुर्धरा: कीदृशा आसन्?

(d) सन्धिविच्छेद: क्रियताम्—पुरोपनीतम्, स्रगिवापवर्जिता।

(e) ''कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रम:'' — कस्य उक्तिरियम्? अत्र 'आखण्डलसूनु:' पदेन कौ बोध्येते?

विभाग:-'ग'

(a) रामायणं केन नाम्ना अभिधीयते? 'रामायणम्' इत्यस्य का व्युत्पत्ति:?

(b) 'महाभारतम्' इति महाकाव्यस्य स्तरत्रयम् उल्लिख्यताम्। महाकाव्येऽस्मिन् कस्य रसस्य प्राधान्यमस्ति?

(c) 'कुमारसंभवम्' इति महाकाव्ये 'कुमार:' क:? 'कुमारसम्भवम्' इति महाकाव्ये कुमारस्य जन्मन: किं प्रयोजनम् आसीत्?

(d) महाकविमाघस्य कालस्य उल्लेखं कुरुत। तस्य विरचितस्य महाकाव्यस्य नाम लिख्यताम्।

(e) महाकवि: भारवि: केन उपाधिना विभूषित:? भारवे: काव्यशैल्या: किं वैशिष्ट्यम्?

2. अध:स्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে *দুটি* অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) अर्थ: लिख्यताम्—
অর্থ লেখো—
सा दुर्निमित्तोपगताद् विषादात् सद्य: परिम्लानमुखारविन्दा।
राज्ञ: शिवं सावरजस्य भूयाद् इत्याशशंसे करणैरबाह्यै:।।

(b) अर्थ: लिख्यताम्—
অর্থ লেখো—
असक्तमाराधयतो यथायथं विभज्य भक्त्या समपक्षपातया।
गुणानुरागादिव सख्यमीयिवान् न बाधतेऽस्य त्रिगण: परस्परम्।।

(c) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्—
সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো—
नृत्यं मयूरा: कुसुमानि वृक्षा दर्भानुपात्तान्विजहुर्हरिण्य:।
तस्या: प्रपन्ने समदु:खभावमत्यन्तमासीद्रुदितं वनेऽपि।।

(d) भावसम्प्रसारणं कुरुत—
ভাবসম্প্রসারণ করো—
विचित्ररूपा: खलु चित्तवृत्तय:।

(e) संस्कृतसाहित्ये महाभारतस्य प्रभाव: आलोच्यताम्।
সংস্কৃত সাহিত্যে মহাভারতের প্রভাব আলোচনা করো।

(f) 'भट्टिकाव्यम्' इति महाकाव्यस्य अन्यत् नाम किम्? अस्य काव्यस्य वैशिष्ट्यानि समासत: आलोच्यन्ताम्।
'भट्टिकाव्यम्' মহাকাব্যের অপর নাম কী? এই মহাকাব্যের বৈশিষ্ট্যগুলি সংক্ষেপে আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यचित् *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) द्रौपदीवचनानुसारेण तस्या: चरित्रं वर्णयत।
দ্রৌপদীর উক্তির আধারে তাঁর চরিত্রচিত্রণ করো।

(b) सीतां प्रति महर्षिवाल्मीके: सान्त्ववाद: स्वभाषया लिख्यताम्।
সীতার প্রতি মহর্ষি বাল্মীকির সান্ত্বনাবাক্যগুলি নিজের ভাষায় লেখো।

(c) रामायणमहाभारतयो: पौर्वापर्यं विचार्यताम्।
রামায়ণ ও মহাভারতের পৌর্বাপর্য বিচার করো।

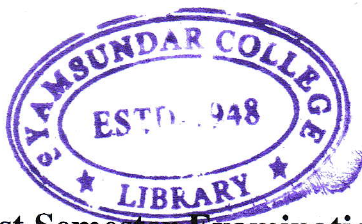
(d) टीका*द्वयं* लिख्यताम्:
টীকা লেখো (২টি)

(i) नैषधचरितम्

(ii) अश्वघोष:

———

Room - 28



3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2024 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS1021 (MINOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य *दशप्रश्नानाम्* उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधीयताम्। 2×10=20

विभागः-'क'

(a) 'पप्रच्छ भद्रं विजितारिभद्रः' – अत्र 'विजितारिभद्रः' इति पदेन कः बोध्यते? सः कस्मै किं पृष्टवान्?

(b) लक्ष्मणमाध्यमेन सीता रामं प्रति कम् अभियोगं प्रेरयति?

(c) रघुवंशस्य चतुर्दशसर्गस्य विशेष नाम किमस्ति? यशः केषां गरीयः?

(d) जह्नोः दुहिता का भवति? जह्नुदुहिता कं कथं वा अवारयत्?

(e) मोहात् प्रबोधः सीतां प्रति कथं कष्टतरः अभूत्?

विभागः-'ख'

(a) 'किंसखा' इति पदेन किं बोध्यते? 'क्षेम' इति शब्दस्य कोऽर्थः?

(b) 'क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः' – अत्र वक्ता कः? अत्र प्रयुक्तस्य 'क्व' शब्दद्वयस्य किं तात्पर्यम्?

(c) सन्धिविच्छेदः क्रियताम् –

(i) प्रवक्तुमिच्छन्ति

(ii) चिन्तयत्येव

(d) कथाप्रसङ्गेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः — कस्य उक्तिरियम्? अत्र 'आखण्डलसूनुः' इति पदेन कः बोध्यते?

(e) 'तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया'—'जिह्मः' इति पदस्य कोऽर्थः? कश्चात्र जिह्मः?

विभागः-'ग'

(a) माघस्य आविर्भावकालः कः अस्ति?

(b) भट्टिकाव्ये कियन्तः विभागाः सन्ति? के च ते?

(c) 'नैषधचरितम्' इति महाकाव्ये 'नैषध' कः भवति?

(d) शिशुपालस्य पिता कः आसीत्?

(e) किरातार्जुनीयस्य मुख्यटीकायाः टीकाकारस्य च नाम लिख्यताम्।

2. निम्नलिखितेषु यथेच्छं प्रश्नचतुष्टयं लिख्यताम्। तन्मध्ये प्रश्नद्वयं अवश्यमेव संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20

(a) भावसम्प्रसारणं कुरु —
ভাবসম্প্রসারণ করো —
आज्ञा गुरूणां ह्यविचारणीया।

(b) अर्थ: लिख्यताम् —
অর্থ লেখো —
विशङ्कमानो भवत: पराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिन:।
दुरोदरच्छद्मजितां समीहते नयेन जेतुं जगतीं सुयोधन:।।

(c) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् —
সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো —
क्रियासु युक्तैर्नृप! चारचक्षुषो न वञ्चनीया: प्रभवोऽनुजीविभि:।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारि च दुर्लभं वज:।।

(d) रामायणस्य रचनाकालो निरूपणीय:।
রামায়ণের রচনাকাল নিরূপণ করো।

(e) अर्थ: लिख्यताम् —
অর্থ লেখো —
पौरेषु सोऽहं बहुलीभवन्तमपां तरङ्गेष्विव तैलबिन्दुम्।
सोढुं न तत्पूर्वमवर्णमीशे आलानिकं स्थाणुमिव द्विपेन्द्र:।।

(f) 'सौन्दरनन्दम्' इति महाकाव्यस्य विषयवस्तु आलोच्यताम्।
'सौन्दरनन्दम्' মহাকাব্যের বিষয়বস্তু আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छ प्रश्नद्वयं लिख्यताम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

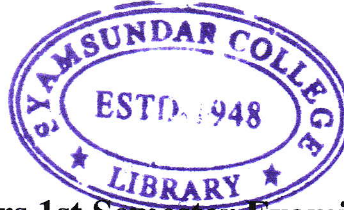
(a) तव पाठ्यांशानुसारेण रामचन्द्रस्य यत् चरित्रं प्रकाशितं तत् स्पष्टीक्रियताम्।
পাঠ্যাংশ অনুসারে রামচন্দ্রের যে চরিত্র প্রকাশিত হয়েছে, তা লেখো।

(b) संस्कृतसाहित्ये महाभारतस्य प्रभाव: आलोच्यताम्।
সংস্কৃতসাহিত্যে মহাভারতের প্রভাব আলোচনা করো।

(c) वनेचरस्य वक्तव्यमवलम्ब्य दुर्योधनस्य चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
বনেচরের বক্তব্যের আলোকে দুর্যোধনের চরিত্রচিত্রণ করো।

(d) टीका लिख्यताम् —
টীকা লেখো—
(i) बुद्धचरितम्
বুদ্ধচরিতম্
(ii) नैषधचरितम्
নৈষধচরিতম্

———



SANS1041

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2024
(under CCFUP of NEP 2020)

Time: 1½ Hours | **Subject : SANSKRIT** | **Full Marks: 40**

Course: AEC | **Course Code : SANS1041 (AEC)** | **CourseTitle : Language Skills**

Roll No.: .... Registration No. .... of 20

INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEE

1. The Question-cum-Answer Booklet comprised of 40 Questions and each Question carrying 1 (one) mark.
2. Each Question possesses 4 (four) Answer Options (A), (B), (C) and (D) of which only one option bears Correct Answer.
3. Completely darken the respective circle for your response as shown below—

   Correct method ● Wrong method ✓ ⊗ ◐
4. Each Correct Answer will be credited with 1 (One) Mark.
5. If an Examinee attempts more than one Option for a Question, the attempt will be considered as WRONG Answer.
6. No Mark will be deducted for attempting Wrong Answer or Incorrect attempts.
7. Only Blue/Black Ink Pen is to be used for Answering Question.
8. No Electronic Gadget (Calculator, Mobile Phone, Laptop, I-Pad, Camera etc.), Papers (Other than Admit Card) will be allowed inside the Examination Hall.
9. No Loose sheet will be provided for scribbling and No Paper is to brought in this purpose. Any Examinee found with incriminating Documents in his/her possession– he/she will be Expelled.
10. All rough work must be done in the page provided in the Question-Answer-Booklet, and the said Page of the Booklet **must not be torn out.**
11. No Examinee will be allowed to leave the Examination Hall until an Hour has elapsed from the commencement of the Examination.
12. As per order of the Executive Council all Answer Scripts will be preserved for one year from the date of Publication of Results.

১. Question-cum-Answer Booklet-এ মোট ৪০টি প্রশ্ন আছে এবং প্রতিটি প্রশ্নের মান ১ (এক)।

২. প্রতিটি প্রশ্নের জন্য ৪ (চার)টি করে Option (A), (B), (C) এবং (D) থাকবে, এর মধ্যে একটি সঠিক উত্তর নির্দেশ করবে।

৩. সঠিক উত্তরের জন্য নির্দিষ্ট বৃত্তটিকে সম্পূর্ণ রূপে কালো করতে হবে তা নীচে দেখানো হল—

   সঠিক পদ্ধতি ● ভুল পদ্ধতি ✓ ⊗ ◐

৪. প্রতিটি সঠিক উত্তরের মান ১ (এক)।

৫. যদি কোনো পরীক্ষার্থী একটি প্রশ্নের একাধিক উত্তর দেয় তাহলে সেটি ভুল উত্তর হিসেবে গণ্য হবে।

৬. ভুল উত্তরের জন্য কোনো নম্বর বাদ যাবে না।

৭. উত্তর লেখার জন্য কেবলমাত্র নীল অথবা কালো কালির কলম ব্যবহার করা যাবে।

৮. পরীক্ষাকেন্দ্রের মধ্যে কোনো ইলেকট্রনিক্স যন্ত্রাদি (ক্যালকুলেটর, মোবাইল ফোন, ল্যাপটপ, আই-প্যাড, ক্যামেরা ইত্যাদি), কাগজ (কেবলমাত্র অ্যাডমিট কার্ড ছাড়া) নিয়ে প্রবেশ নিষেধ।

৯. হিজিবিজি বা রাফ লেখার জন্য কোনো বাড়তি কাগজ দেওয়া যাবে না এবং এই উদ্দেশ্যে কোনো কাগজ আনা যাবে না। কোনো পরীক্ষার্থীর কাছে নকল-এর মতো অপরাধমূলক কাগজ থাকলে সেই ছাত্র/ছাত্রীকে বহিষ্কার করা হবে।

১০. সমস্ত 'রাফ ওয়ার্ক' প্রশ্ন-উত্তর-পুস্তিকার সঙ্গে থাকা নির্দিষ্ট পাতাতেই করতে হবে এবং **উত্তরপত্র জমা দেবার সময় পাতাটি ছিঁড়ে নেওয়া যাবে না**।

১১. পরীক্ষা শুরু থেকে এক ঘণ্টা সময় অতিবাহিত না হলে কোনো পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল থেকে বের হতে পারবে না।

১২. বিশ্ববিদ্যালয় কর্ম সমিতি কর্তৃক গৃহীত সিদ্ধান্ত অনুসারে পরীক্ষার ফল প্রকাশের দিন থেকে এক বছরের জন্য উত্তরপত্র সংরক্ষিত থাকবে।



Section-A

Unit-I

समुचितस्य अनुदितवाक्यस्य चयनं कुरु। 1×10=10

1. Ram goes.

(A) रामः अगच्छत्।

(B) रामौ गच्छतः।

(C) रामः गच्छति।

(D) रामाः गच्छन्ति।

2. He reads.

(A) स पाठयति।

(B) स पठति।

(C) स पठिष्यति।

(D) स अपठत्।

3. Singer is singing a song.

(A) गायकाः गीतानि गायन्ति।

(B) गायकौ गीतं गायतः।

(C) गायकः गीतानि गायति।

(D) गायकः गीतं गायति।

4. Horses are running.

(A) अश्वः धावति।

(B) अश्वौ धावतः।

(C) अश्वाः धावन्ति।

(D) अश्वः धावन्ति।

5. She did her work.

(A) स स्वकार्यं करोति।

(B) स स्वकार्यं करिष्यति।

(C) सा स्वकार्यं करोति।

(D) सा स्वकार्यम् अकरोत्।

6. Rabindranath wrote a novel.

(A) रवीन्द्रनाथः उपन्यासम् अलिखत्।

(B) रवीन्द्रनाथः उपन्यासः अलिखत्।

(C) रवीन्द्रनाथः उपन्यासं लिखन्ति स्म।

(D) रवीन्द्रनाथः उपन्यासः लिखति स्म।

7. Father will come.

(A) पिता आगच्छति।

(B) पितृ आगच्छति।

(C) पिता आगमिष्यति।

(D) पितृ आगमिष्यति।

8. Teacher teaches.

(A) शिक्षकाः पाठयन्ति।

(B) शिक्षकः पाठयति।

(C) शिक्षकाः पठन्ति।

(D) शिक्षकः पठति।

9. Students read books.

(A) छात्राः पुस्तकं पाठयन्ति।

(B) छात्रः पुस्तकं पाठयति।

(C) छात्राः पुस्तकानि पठन्ति।

(D) छात्रः पुस्तकं पठति।

10. Lata took the flower.

(A) लता पुष्पं नयति।

(B) लता पुष्पम् अनयत्।

(C) लता पुष्पम् अनयन्।

(D) लता पुष्पाणि अनयन्।

Unit-II

समुचितस्य बङ्गानुवादस्य चयनं कुरु। 1×10=10

11. स गृहे नास्ति।
(A) সেখানে ঘর নেই।
(B) সেই ঘরে নেই।
(C) সে ঘরে নেই।
(D) সে ঘরেই নেই।

12. वानरा: फलानि अखादन्।
(A) বানর ফল খাচ্ছে।
(B) বানরগুলি ফল খাচ্ছে।
(C) বানর ফল খেয়েছে।
(D) বানরগুলি ফল খেয়েছে।

13. भवत: विद्यालय: कुत्र?
(A) আপনার বিদ্যালয় কোথায়?
(B) আপনার বিদ্যালয় কোন দিকে?
(C) বিদ্যালয়ের ভবনটি কোথায়?
(D) বিদ্যালয় ভবনটি কোন দিকে?

14. मिथ्या मा वद।
(A) আমাকে মিথ্যা বলছো।
(B) আমাকে মিথ্যা বলবে না।
(C) মিথ্যা বলছো।
(D) মিথ্যা বলবে না।

15. ईश्वर: सर्वं पश्यति।
(A) ঈশ্বর সব জায়গায় রয়েছেন।
(B) ঈশ্বর সমস্ত পদার্থে থাকেন।
(C) ঈশ্বর সব দেখছেন।
(D) ঈশ্বর সমস্ত কিছুতে প্রবেশ করেছেন।

16. पुस्तके मा लिख।
(A) আমার পুস্তকে লিখবে না।
(B) আমার পুস্তকে লিখেছো।
(C) পুস্তকে লিখো না।
(D) পুস্তকে লিখেছো।

17. प्रात: भ्रमणं कुर्यात्।
(A) প্রাতঃকালে ভ্রমণ করবে।
(B) প্রাতঃকালে ভ্রমণ করব।
(C) প্রাতঃকালে ভ্রমণ করছি।
(D) প্রাতঃকালে ভ্রমণ করা উচিৎ।

18. अहं केदारनाथं गमिष्यामि।
(A) আমি কেদারনাথে গিয়েছিলাম।
(B) আমি কেদারনাথে যাচ্ছি।
(C) আমি কেদারনাথে যাব।
(D) আমি আবার কেদারনাথে যাব।

19. रमा रेलयानेन आगता।
(A) রমা রেলযানে করে আসবে।
(B) রমা রেলযানে করে এসেছে।
(C) রমা রেলযানে করে আসছে।
(D) রমা রেলযানে করে আনছে।

20. सर्वे सुखिन: भवन्तु।
(A) আপনারা সুখী হন।
(B) সবই আপনাদের আশীর্বাদ।
(C) সবাই সুখী হোক।
(D) সবকিছুতেই সুখ থাকে।

Section-B

अधोलिखितम् अनुच्छेदम् आश्रित्य समुचितस्य उत्तरस्य चयनं कुरु 1×10=10

अस्ति मन्दारपर्वते दुर्दान्तो नाम सिंहः। एकदा पशवः सर्वे मिलित्वा तस्य समीपं गता उक्तवन्तश्च-किमिति भवान् यथेच्छं पशून् हन्ति। वयमेव तवाहारार्थं प्रत्यहम् एकैकं पशुमुपहरामः। सिंहेनोक्तं तथैव भवतु। एकदा शशकस्य वारः समायातः। अवश्यं मरिष्यामि चेत् किं सिंहस्यानुनयेन। इति चिन्तयित्वा मन्दं चलितः। क्षुधार्तः सिंहः तमवदत्-कथं विलम्बादगच्छसि। शशक उवाच-पथि अपरः सिंहः मां बलाद् धृतवान्। तस्य समीपे पुनरागमनाय शपथं कृत्वा अत्रागतः। सिंहेनोक्तम्-सत्वरं दर्शय क्व स दुष्टः तिष्ठति। सिंहेन सह शशकः कूपस्य समीपम् आगत्य कूपजले सिंहस्य प्रतिविम्बं दर्शयामास। अथ गर्जन् सिंह आत्मानं निक्षिप्य मरणं प्राप्तः।

21. मन्दारपर्वते _______ तिष्ठति।

(A) व्याघ्रः

(B) शृगालः

(C) सिंहः

(D) हस्ती

22. सिंहस्य नाम _______ ।

(A) प्रचण्डः

(B) दुर्दान्त

(C) दुर्लभः

(D) प्रबलः

23. एकदा सर्वे _______ सिंहस्य समीपं गताः।

(A) बालकाः

(B) पशवः

(C) मानवाः

(D) वनवासिनः

24. सिंहः यथेच्छं _______ हन्ति।

(A) पशून्

(B) मनुष्यान्

(C) शशकान्

(D) छागान्

25. पशवः प्रत्यहम् _______ सिंहस्य आहारार्थ प्रेषयन्ति।

(A) एकं पशुं

(B) द्वौ पशू

(C) त्रीन् पशून्

(D) अनेकान् पशून्

26. शशकः चिन्तयामास यत् अवश्यम् _______ ।

(A) गमिष्यामि

(B) खादिष्यामि

(C) आगमिष्यामि

(D) मरिष्यामि

27. शशकः सिंहाय किम् अदर्शयत्?

(A) जलम्

(B) कूपजलम्

(C) सिंहम्

(D) सिंहस्य प्रतिविम्बम्

28. 'मन्दं चलितः' इत्यत्र मन्दपदम् _______ ।

(A) विशेषणम्

(B) क्रियाविशेषणम्

(C) विशेष्यम्

(D) क्रियापदम्

29. _______ सिंहः तम् अवदत्।

(A) क्षुधार्तः

(B) तृष्णार्तः

(C) क्रुद्धः

(D) उन्मत्तः

30. 'सत्वरं दर्शय क्व स दुष्टः तिष्ठति' इति उक्तेः वक्ता _______ ।

(A) पशवः

(B) शशकः

(C) सिंहः

(D) पशुः

Section-C

उपयुक्तपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

1×10=10

काशी एकं ________ नगरम् अस्ति। जना: एतत् नगरं वाराणसीनगरम् इति अपि ________ । तत्र ________ विश्वप्रसिद्धं विश्वनाथस्य ________ अस्ति। प्रतिदिनं बहव: भारतीया: ________ दर्शनाय आगच्छन्ति। देशान्तरात् वैदेशिका: पर्यटका: अपि भ्रमणार्थम् ________ च काशीम् आगच्छन्ति। ________ काशीम् आगम्य सर्वप्रथमं गङ्गास्नानं कुर्वन्ति। ________ ते पवित्रा: भवन्ति। अनन्तरं गङ्गास्नानेन ________ विश्वनाथस्य मन्दिरं प्रविशन्ति। ______ च विल्वपत्रसहितपुष्पम् अर्पयन्ति।

31. (A) प्राचीनं
(B) प्राचीन:
(C) प्राचीना
(D) प्राचीन

32. (A) कथयति
(B) कथयत:
(C) कथयसि
(D) कथयन्ति

33. (A) काशी
(B) काश्याम्
(C) काशीम्
(D) काश्यो:

34. (A) मन्दिरस्य
(B) मन्दिरे
(C) मन्दिरम्
(D) मन्दिरात्

35. (A) विश्वनाथाय
(B) विश्वनाथेन
(C) विश्वनाथ:
(D) विश्वनाथस्य

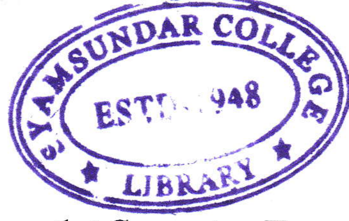
36. (A) अनुसन्धानम्
(B) अनुसन्धानाय
(C) अनुसन्धानस्य
(D) अनुसन्धाने

37. (A) साधका:
(B) साधक:
(C) साधकौ
(D) साधकान्

38. (A) गङ्गास्नानम्
(B) गङ्गास्नानस्य
(C) गङ्गास्नाने
(D) गङ्गास्नानेन

39. (A) स:
(B) तौ
(C) ते
(D) सा

40. (A) शिवलिङ्गस्य
(B) शिवलिङ्गाय
(C) शिवलिङ्गेन
(D) शिवलिङ्गात्



3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2024 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS1051 (SEC)

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानामुत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य वचनं विभक्तिं च निरूपयत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।
मुनौ, मातु:, विदुष:, सम्राजो:

(b) निम्नलिखितेषु पदेषु द्वयो: पदयो: सप्तमी-विभक्ते: बहुवचनस्य रूपं लिखत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* পদের সপ্তমী বিভক্তির বহুবচনের রূপ লেখো।
बालक, अग्नि, भानु, वणिज्

(c) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयो: पुरुषं वचनं च निर्दिशत।
নিম্নলিখিত ধাতুরূপগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* ধাতুরূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।
द्रक्ष्यन्ति, दत्त:, लभस्व, भवेयम्

(d) निम्नलिखितेषु द्वयो: लङ्-लकारस्य प्रथमपुरुषस्य बहुवचने रूपं लेखनीयम्।
নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* ধাতুর লঙ-লকারের প্রথমপুরুষের বহুবচনগত রূপ লেখো।
सेव्, भू, दा, श्रु

(e) "लघुसिद्धान्तकौमुदी" इति ग्रन्थस्य उत्स: क:?
"লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী" এই গ্রন্থটির উৎস কী?

(f) "वान्तो यि प्रत्यये" – अस्य सूत्रस्यार्थ: लघुसिद्धान्तकौमुदी इति ग्रन्थे यदुक्तं तद् लिख्यताम्।
"বান্তো যি প্রত্যয়ে" — এই পাণিনীয় সূত্রটির অর্থ লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী গ্রন্থে যা উপদিষ্ট হয়েছে তা লেখো।

(g) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य व्युत्पत्तिं निरूपयत।
নিম্নলিখিত *যেকোনো দুটি* পদের ব্যুৎপত্তি নির্ণয় করো।
पाठयति, सेवमान:, पानीयम्, कौन्तेय:

(h) निम्नलिखितेषु द्वयो: परिनिष्ठितं रूपं लिखत।
নিম্নলিখিত *যেকোনো দুটির* পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখো।
गम् + सन् + लट्-तिप्, भू + यङ् + लट्-त, पठ + शतृ, नदट् + ङीप्

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে *যেকোনো পাঁচটি* পদ ব্যবহার করে সংস্কৃত ভাষায় বাক্যগঠন করো।

बालकस्य, कविभि:, पित्रे, त्वया, गच्छानि, पचति, वर्तते

(b) विष्णवे - इति प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां ससूत्रं प्रतिपादयत।

বিষ্ণবে - এই প্রয়োগের সিদ্ধিপ্রক্রিয়া সসূত্র প্রতিপাদন করো।

(c) एतन्मुरारि: - इति प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां ससूत्रं प्रतिपादयत।

এতন্মুরারিঃ - এই প্রয়োগের সিদ্ধিপ্রক্রিয়া সসূত্র প্রতিপাদন করো।

(d) सोदाहरणम् 'शतृ' 'शानच्' चैतयो: प्रत्यययोर्मध्ये भेदान् आलोचय।

উদাহরণ সহযোগে 'শতৃ' এবং 'শানচ্' প্রত্যয়ের মধ্যে ভেদসমূহ আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम् : 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) 'एचोऽयवायाव:' 'यथासंख्यमनुदेश: समानाम्' चेत्यनयो: द्वयो: सूत्रयो: व्याख्यानं करणीयम्।

'এচোঽয়বায়াবঃ' এবং 'যথাসংখ্যমনুদেশঃ সমানাম্' - এই দুটি সূত্রের ব্যাখ্যা লেখো।

(b) 'यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा', 'प्रत्यये भाषायां नित्यम्' चेत्यनयो: द्वयो: सूत्रवार्तिकयो: व्याख्यानं करणीयम्।

'যরোঽনুনাসিকেঽনুনাসিকো বা' এবং 'প্রত্যয়ে ভাষায়াং নিত্যম্' - এই দুটি সূত্র এবং বার্তিকের ব্যাখ্যা লেখো।

(c) संस्कृत-व्याकरणे तद्धित-अपत्यार्थक-प्रत्ययानां प्रयोग: दृष्टान्तयोगेन आलोच्यताम्।

সংস্কৃত-ব্যাকরণে তদ্ধিত অপত্যার্থক প্রত্যয়গুলির প্রয়োগ উদাহরণসহ আলোচনা করো।

(d) कस्यचिदेकस्य धातो: पञ्चानां लकाराणां रूपाणि लिखत — ज्ञा, लभ्।

যেকোনো একটি ধাতুর পাঁচটি লকারের রূপ লেখো — জ্ঞা, লভ্।

———